मेरा पहला सेक्स कुंवारी लड़की के साथ

“पड़ोस में रहने आई एक नई फैमिली में एक भाई बहन थे, भाई से मेरी दोस्ती हो गयी. लेकिन उसकी बहन से सिर्फ हाय हेलो थी. फिर एक दिन हालात कुछ ऐसे बने कि ...और भी काफी कुछ हो गया. ...”

Story By: (aavi)
Posted: Sunday, February 24th, 2019
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: मेरा पहला सेक्स कुंवारी लड़की के साथ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरा पहला सेक्स कुंवारी लड़की के साथ

हैल्लो फ्रेंड्स, मेरा नाम अवी है। मैं अन्तर्वासना का पांच-छह सालों से नियमित पाठक हूँ, लेकिन कभी मैंने अपनी कोई स्टोरी पोस्ट नहीं की क्योंकि मेरे साथ ऐसा कभी कुछ हुआ ही नहीं। मगर आज से करीब दो महीने पहले मेरी लाइफ पूरी तरह से बदल गयी। मैं आज आप सबके साथ अपना पहला एक्सपीरिएंस शेयर करने जा रहा हूँ. उम्मीद करता हूँ कि आप सबको ये पसंद आयेगा।

मैं एक छोटे शहर से हूँ और मैंने अभी पढ़ाई कंपलीट करके जॉब ज्वाइन की है। मेरी फैमली में माँ, पापा और भाई हैं।
तो हुआ ये कि करीब 8 महीने पहले हमारे पड़ोस में एक नयी फैमिली शिफ्ट हुई। उस फैमिली में एक लड़का था जो कि मेरी उम्र का था और उसका नाम था रवि। उसकी फैमली में उसके पापा, माँ और एक बहन थी। वो लोग बहुत अच्छे थे और आते ही उनके और हमारे परिवार के बीच अच्छा रिलेशन बन गया.

रवि मेरा अच्छा दोस्त बन गया। रवि की बहन का नाम सुषी था और वो 22 साल की थी। सुषी के बारे में आप को बताऊं तो सुषी का फिगर शायद 32-28-34 का होगा। उसकी हाइट 5 फीट 5 इंच की थी. दिखने में गोरी, किसी फिल्म की हीरोइन को भी फेल करने वाला लुक्स थे उसके।
आते ही कुछ लड़कों ने उस पर लाइन मारना चालू भी कर दिया, पर सुषी ऐसी नहीं थी. उसने किसी को घास भी नहीं डाली।

ऐसे ही कुछ दिन बीत गए. फिर सुषी के लिए एक रिश्ता आया और उसके घर वालों को रिश्ता पसंद आया और उन्होंने एक लड़के के साथ सुषी का रिश्ता पक्का कर दिया।
शादी को सिर्फ 45 दिन ही रह गए थे। एक दिन संडे को मेरी ऑफिस की छुट्टी थी तो मैंने

और रवि ने घूमने का प्लान बनाया। मैं सुबह दस बजे उसके घर गया तो मैंने देखा कि आंटी और सुषी कुछ बात कर रहे थे. आंटी सुषी को डांट रही थी और सुषी काफी उदास दिखाई दे रही थी.

मैं अंदर गया और रवि के लिए पूछा तो आंटी ने कहा कि वो नहा रहा है.
आंटी बोली- तू बैठ, मैं तुम दोनों के लिए नाश्ता लगाती हूं.
इतना कहकर आंटी नाश्ता लगाने के लिए वहां से किचन की तरफ चली गयी।

सुषी उदास बैठी थी. मेरी कभी पहले सुषी से ज्यादा बात नहीं हुई थी. थोड़ी बहुत जो बात हुई थी उसमें केवल हाय, हैल्लो ही हो पाता था. लेकिन कभी किसी टॉपिक पर खुल कर बात नहीं हुई थी.
वैसे तो मेरा उनके घर पर अक्सर आना-जाना लगा ही रहता था लेकिन मेरी ज्यादा बातें रवि के साथ ही होती थीं. सुषी से बात करने में मुझे भी थोड़ी सी शर्म सी आती थी.
जब सुषी अकेली थी तो मैंने मौका देख लिया और उसके दिल की बात पूछने की सोची. मैं सुषी के पास गया और उससे पूछा कि वो उदास क्यों है.

सुषी पहले तो टाल-मटोल करने लगी, तरह-तरह के बहाने करने लगी लेकिन मैंने उससे पूछना जारी रखा और अंत में उसने मुझे अपने दिल की बात बता ही दी.
सुषी ने बताया कि वह अपनी होने वाली शादी से खुश नहीं है.
मैं जानकार थोड़ा हैरान हुआ. मैं ज्यादा खुलकर बात नहीं करना चाहता था लेकिन फिर भी सोचा कि जब अब बात चल ही गई है तो क्यों न पूरी बात का ही पता लगा लिया जाए.
फिर मैंने बातों ही बातों में सुषी से पूछा तो उसने बताया कि जिस लड़के से उसकी शादी होने वाली है वह उसको पसंद नहीं है.

फिर मैंने सुषी सा इसकी वजह भी पूछ ली. सुषी ने कहा कि वह लड़का उम्र में उससे बहुत बड़ा है.

मैंने सुषी से पूछा कि तुम्हारे माता और पिता को भी तो वह लड़का उम्र में बड़ा लगा होगा न. फिर उन्होंने सब कुछ जानते हुए भी तुम्हारी शादी ऐसे लड़के के साथ तय क्यों कर दी ? सुषी ने बताया कि उसके माता-पिता ने लड़के की नौकरी को देखकर यह रिश्ता पक्का किया है. वह अच्छा कमाता है. इसलिए उसकी शादी बड़ी उम्र के लड़के साथ तय कर दी गई है.

हम दोनों के बीच में यह सब बातें हो ही रही थीं कि तभी सुषी कि माँ वहां पर आ गई और उन्होंने हमारे बीच में होने वाली बात सुन ली. उसके बाद आंटी ने सुषी पर जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया. मुझे लगा कि सुषी कुछ नहीं बोलेगी लेकिन बदले में सुषी ने भी अपनी माँ पर चिल्लाना शुरू कर दिया. दोनों ही जोर-जोर से चिल्लाने लगीं. उनकी लड़ाई बढ़ती ही जा रही थी. इतनी ही देर में रवि भी वहां पर आ गया. हम दोनों ने सुषी को चुप कराने की बहुत कोशिश की लेकिन वह भी चुप नहीं हुई और आंटी भी चुप नहीं हो रही थी.

उसके बाद रवि आंटी का हाथ पकड़ कर अंदर ले गया. जब वह बाहर आया तो सुषी रो रही थी. मैंने रवि से कहा कि मैं सुषी को अपने घर ले जाता हूँ नहीं तो ये दोनों फिर से लड़ाई शुरू कर देंगी. रवि भी मेरी बात से सहमत हो गया और उसने सुषी को मेरे साथ मेरे घर पर भेजने का फैसला कर लिया.

जब मैं घर पहुंचा तो सुषी को देखकर मेरी माँ हैरान हो गई और मुझसे पूछने लगी कि सुषी रो क्यों रही है. मैंने अपनी माँ को बताया कि सुषी का उसकी माँ के साथ झगड़ा हो गया है. मेरी माँ भी बात को समझ गई. फिर माँ ने मुझसे कहा कि वह बाजार तक जाकर वापस आ रही है और घर पर कोई नहीं है. माँ ने मुझसे घर की देखभाल करने के लिए कह दिया और माँ बाहर बाजार में चली गयी.

माँ के जाने के बाद हम दोनों अंदर चले गए और मैंने सुषी को सोफे पर बैठा दिया और उसके लिए पानी लेकर आ गया. उसके बाद हम दोनों बातें करने लगे.

सुषी अब मुझसे खुल कर बात करने लगी थी. सुषी ने मुझसे मेरी निजी जिंदगी के बारे में बात करनी शुरू कर दी. उसने पूछा कि क्या मेरी कोई गर्ल फ्रेंड है ?
मैंने सुषी को बता दिया कि पहले मेरी गर्लफ्रेंड थी लेकिन काफी समय पहले हमारा ब्रेक अप हो गया था. चलती बात पर मैंने सुषी से भी उसके बारे में पूछना शुरू कर दिया. सुषी ने बताया कि उसे अभी तक कोई अच्छा लड़का मिला ही नहीं है.
सुषी काफी खुलकर बात कर रही थी और मैं उसकी बातों का मजा ले रहा था. फिर सुषी ने पूछा कि क्या मैंने अपनी गर्ल फ्रेंड के साथ कुछ किया है ?
मैं सुषी के इस सवाल पर थोड़ा हैरान हो गया. फिर मैंने ना में गर्दन हिला दी. फिर मैंने भी सुषी से पूछा कि क्या उसने कभी किसी के साथ कुछ किया है ? सुषी ने भी ना में जवाब दिया.

उसने पूछा- तो क्या तुमने किसी के साथ भी वह सब कुछ नहीं किया ?
मैंने फ्लर्टिंग करते हुए उससे पूछा- तुम किस बारे में बात कर रही हो, मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा.
सुषी ने कहा- अरे वही …
मैंने कहा- क्या ?
सुषी ने कहा- सेक्स !

सुषी के मुंह से सेक्स शब्द सुनकर मैं उत्तेजित हो गया लेकिन मैंने धीरे से ना में जवाब दे दिया. हम दोनों हँसने लगे. उसके बाद हम दोनों चुप हो गए और दोनों एक दूसरे की तरफ देखने लगे.
वह धीरे से मेरे पास आकर बैठ गई और उसने हल्के से मेरे गाल पर किस कर दिया. मैं इस सब के लिए तैयार नहीं था. इसलिए वो चुप-चाप मेरे साथ बैठी रही. मैं उसको देख रहा था. मुझे काफी शर्म भी आ रही थी. कुछ देर बाद मैंने हिम्मत करके सुषी के होंठों पर किस कर दिया. एक मिनट तक हम दोनों एक दूसरे के होंठों को चूसते रहे और फिर झटके के

साथ अलग हो गए. उसके बाद हम दोनों एक दूसरे की आंखों में देखने लगे.
मैंने कुछ देर सोचा और फिर उठकर गेट बंद कर दिया.

सुषी ने कहा- कोई आ गया तो ?
मैंने कहा- कोई नहीं आएगा, अभी माँ को वापस आने में लगभग दो घंटे का वक्त और लगने वाला है, इसलिए तुम चिंता मत करो.

सुषी ने कुछ नहीं कहा और मुझे जैसे ग्रीन सिग्नल मिल गया. मैंने सुषी का हाथ पकड़ कर उसे खड़ी कर दिया और उसके होंठों को चूसने लगा. उसके बाद हम दोनों काफी देर तक एक दूसरे को वहीं पर खड़े रहकर ही किस करते रहे. फिर मैंने सुषी को अपनी गोद में उठा लिया और उसको बेडरूम में ले गया. सुषी ने ब्लैक कलर की कुर्ती और सफेद रंग की लैगिंग पहनी थी. मैंने पीछे उसकी गर्दन पर किस करना शुरू कर दिया. उसके मुंह से हल्की सिसकारी निकलने लगी.
उसके बाद मैंने उसके बालों को हटाया तो देखा कि उसकी कुर्ती के पीछे चेन लगी हुई थी. मैंने धीरे से उसकी कुर्ती की चेन को खोलना शुरू कर दिया तो सुषी एकदम अलग होकर दीवार से जा लगी और सट कर खड़ी हो गई. शायद वह शरमा रही थी. फिर मैंने उसको पीछे से जाकर दोबारा किस करना शुरू कर दिया.

फिर मैंने दोबारा से उसकी चेन को पकड़ा और उसको धीरे से खोलने लगा. अबकी बार सुषी ने कोई विरोध नहीं किया. मैं पीछे से उसकी पीठ को किस करने लगा. फिर मैंने उसकी कुर्ती को उतरवा दिया और नीचे उसने काले रंग की ब्रा पहनी हुई थी. मैंने सुषी को अपनी तरफ किया और उसको अपने सीने से लगा लिया. उसकी चूचियां अब मेरी छाती से लगी हुई थीं और मैं उसको गर्दन पर किस करने लगा.

उसके बाद मैंने सुषी की पीठ के पीछे से अपने हाथ ले जाकर उसकी ब्रा के हुक को टटोलना शुरू कर दिया. जब उसकी ब्रा के हुक तक पहुंच गया तो मैंने धीरे से उसका हुक खोल दिया

और उसकी ब्रा को उसकी चूचियों से अलग कर दिया. मैंने पहली बार किसी लड़की की चूची ऐसे अपनी आंखों के सामने नंगी देखी थी.

जब मुझसे रुका नहीं गया तो मैंने उसकी चूचियों पर किस करना शुरू कर दिया. लेकिन सुषी काफी सेंसेटिव थी और मेरे हर किस पर उसके बदन में एक सिरहन सी पैदा हो रही थी. उसके मुंह से सिसकारी निकलना शुरू हो गई थी.

उसके बाद मैंने अचानक से उसकी चूचियों को अपने होंठों में भर लिया और उनको चूसकर पीने लगा. वह तड़पने लगी. वह मुझे प्यार करने लगी. उसके बाद मैंने उसके पेट पर किस करना शुरू कर दिया. जब मैं उसकी नाभि के पास पहुंचा तो वह तड़प उठी.

फिर मैंने उसकी पजामी को धीरे से पकड़ कर नीचे कर दिया. अब मेरे सामने दुनिया का आठवां अजूबा था. एक गोरी लड़की, जो ऊपर से नंगी थी और नीचे उसने पिंक कलर की पैंटी पहनी हुई थी. मैं तो उसको देखता ही रह गया. उसकी चूत का पूरा आकार बनावट पैंटी के ऊपर से ही साफ़ नजर आ रही थी क्योंकि पैंटी चूत से चिपकी पड़ी थी.

मैंने सुषी को बेतहाशा चूमना शुरू कर दिया.

मैंने उसकी जांघों पर किस करना शुरू कर दिया और वह भी मेरे हर चुम्बन का मजा ले रही थी. मैंने उसकी पैंटी के ऊपर से ही उसकी चूत को किस कर दिया. वह थोड़ी संभल गई और अपने हाथों से अपनी चूत को छिपाने की कोशिश करने लगी.
मैंने उसको सहज करने के लिए उसके होंठों को फिर से चूसना शुरू कर दिया. उसने भी मुझे बांहों में भर लिया और मेरा साथ देने लगी.

फिर मैंने अपने कपड़े उतार दिए. मैंने अपनी टी शर्ट उतार कर अलग फेंक दी और फिर अपनी जीन्स भी उतार दी. अब मैं केवल अंडरवियर में था और मेरा लंड उसमें तना हुआ था. मेरे लंड ने मेरे कच्छे को आगे से गीला कर दिया था.
सुषी मेरे लंड को देखकर शरमाने लगी.

मैंने उसको बेड पर लेटा दिया और उसकी गीली पैंटी पर किस कर दिया. वह तड़प सी गई. फिर मैंने उसकी पैंटी को उतार दिया और मुझे पहली बार एक नंगी चूत के दर्शन हुए. मैंने बिना देर किये उसकी चूत पर अपने होंठ रख दिये और सुषी मचल गई. फिर मैंने उसकी चूत को चाटना शुरू कर दिया. उसकी चूत बिल्कुल गीली हो चुकी थी.

उसके बाद मैंने अपनी एक उंगली को उसकी चूत में डाल दिया. मैं धीरे से अपनी उंगली को उसकी चूत के अंदर बाहर करने लगा. वह सिसकारियां लेने लगी. कुछ ही देर में उसकी चूत ने पानी छोड़ दिया.
कुछ देर के बाद सुषी नॉर्मल हो गई और उसने मुझे बेड पर लेटा दिया और मेरे अंडरवियर पर किस करने लगी. फिर उसने मेरा अंडरवियर उतार दिया और मेरा 6 इंच का लंड तनकर बाहर आ गया. अब मुझसे कंट्रोल नहीं हुआ और मैंने सुषी को वापस बेड पर गिरा लिया और उसकी चूत को फिर से चाटने लगा. कुछ देर तक उसकी चूत को चाटने के बाद मैंने उसकी कमर के नीचे एक तकिया लगा दिया.

सुषी थोड़ी डरी हुई लग रही थी. मैंने उससे पूछा तो उसने बताया कि वह दर्द की आशंका

से डर रही है.
मैंने उससे कहा कि मैं ज्यादा दर्द नहीं होने दूंगा. उसके बाद वह थोड़ी नॉर्मल हो गई.

जब मैंने उसकी चूत पर लंड सेट कर दिया तो मुझसे रुका नहीं गया और मैंने उसकी चूत में लंड को धकेलना शुरू कर दिया. लेकिन लंड अंदर नहीं जा रहा था.
फिर मैंने अलमारी से वैसलीन की शीशी निकाली और उसकी चूत में अच्छी तरह से क्रीम मल दी. उसके बाद मैंने अपने लंड पर भी क्रीम लगा दी.

मैंने लंड को दोबारा उसकी चूत पर सेट किया और एक धक्का दे दिया. वह चिल्ला पड़ी- आआ आआआ … आहहहह …
जैसे तैसे करके मैंने अपने होंठों को सुषी के होंठों पर रख दिया ताकि उसकी आवाज मुंह से बाहर न निकल सके. सुषी की आंखों से आंसू आने लगे थे. वह मेरे लंड को बाहर निकाल देना चाहती थी लेकिन मैंने ऐसा नहीं होने दिया.

कुछ देर बाद जब वह नॉर्मल हो गई तो उसके बाद मैंने लंड को बाहर निकाला. मैंने देखा कि उसकी चूत से हल्का सा खून बाहर निकल रहा था. मैंने अपनी जीन्स की पैंट की जेब से रुमाल बाहर निकाला और उसकी चूत के साथ-साथ अपने लंड को भी साफ कर दिया.
फिर मैंने सुषी के आंसू पोंछ दिये और उसको फिर से किस करना शुरू कर दिया. वह अब नॉर्मल हो गई थी. मैंने फिर से अपना लंड उसकी चूत में डाल दिया. उसको थोड़ी तकलीफ हुई लेकिन ज्यादा नहीं.

मैंने सुषी को चोदना शुरू कर दिया. कुछ ही देर में उसकी दर्द भरी आवाजें कामुक सिसकारियों में बदल गईं ‘आह आहह हहह … उम्म्ह… अहह… हय… याह…. ऊऊऊ ऊऊ हम्मम्म हम्मह उउम् उउम …
मैं भी उसका पूरा साथ दे रहा था और वह मजे से अपनी चूत को चुदवाने लगी. जब मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दी तो सुषी की सिसकारियाँ और तेज हो गई. मैंने अब स्पीड और ज्यादा

बढ़ा दी। अब वो झड़ने वाली थी और उसकी आवाजें और बढ़ने लगीं ‘आ आह अम्म आ आआ …’ और वो अपनी कमर को हिला हिला कर अकड़ने लगी और झड़ गयी।

मैं थोड़ा स्लो हुआ। वो बिस्तर पर बिखर कर पड़ी थी और लंबी लंबी सिसकारी ले रही थी। अब मेरी बारी थी. मैंने फिर से स्पीड तेज कर दी और सुषी को चोदना चालू किया. इस बार उसे दर्द होने लगा और वो चिल्लाने लगी.
मैंने सुषी को जोर लगाकर चोदना शुरू कर दिया. मुझे पहली बार चूत को चोदने का आनंद मिल रहा था. मैं सुषी की चूत में लंड जब डालता तो ऐसा लगता कि संसार में इससे बड़ा दूसरा कोई और सुख नहीं है. मैं सुषी की चूत की जबरदस्त तरीके से चुदाई करने में लगा हुआ था. मेरे बदन से पसीना गिरने लगा था.

सुषी की हालत काफी खराब हो गई थी. वैसे तो मेरा लंड ज्यादा बड़ा नहीं था लेकिन मेरी यह पहली चुदाई थी तो मैं पूरे जोश में था. मेरे जोश के कारण सुषी की चूत में लंड अंदर जाकर ठोक रहा था. जब मेरा लंड सुषी की चूत में अंदर जाकर लगता तो सुषी के मुंह से दर्द भरी आवाज निकल जाती थी. वह मुझे पीछे धकेलने की कोशिश करने लगती थी लेकिन मैं अपने पूरे जोश में था. मैं सुषी की चूत की ताबड़तोड़ चुदाई करने में लगा हुआ था.

फिर मैंने सुषी की चूचियों को पकड़ लिया और उसकी चूत में फिर से जोरदार धक्के देना शुरू कर दिया. सुषी के साथ-साथ पूरा बेड भी जोर जोर से हिलने लगा था. मुझे डर था कि कहीं सुषी की चूत फट ही न जाए. वह तड़प रही थी. कुछ देर के बाद सुषी भी मेरी जोरदार चुदाई का मजा लेने लगी.

जब मैंने देखा कि सुषी को भी मेरे लंड से इस तरह चुदाई करवाने में मजा आ रहा है तो मैंने उसकी चूत को और जोर से चोदना शुरू कर दिया. मेरी स्पीड जब बढ़ गई तो सुषी को फिर से दर्द होना शुरू हो गया. अब मुझे सुषी की हालत पर थोड़ा सा भी रहम नहीं आ रहा

था. मैं उसकी चूत को सच में ही फाड़ देना चाहता था.

सुषी की चूचियां मेरी आंखों के सामने ही उछल रही थीं. उसकी चूचियां बिल्कुल टाइट हो गई थीं. कुछ ही देर में सुषी दूसरी बार झड़ गई. अब मेरे लंड को एक और बार चिकनाहट मिल गई थी और मेरे लंड के धक्के और ज्यादा अंदर तक सुषी की चूत को धकेलने लगे. मैंने सुषी की चूत को रगड़ना चालू रखा.
लेकिन मैं रुका नहीं और उसकी आँखों से आंसू निकलने लगे और मैं कुछ देर की चुदाई के बाद उसकी चूत में ही झड़ गया और सुषी के नंगे बदन पर लेट गया.
जब हम दोनों उठे तो वह रोने लगी. उसे शायद यह सब करना ठीक नहीं लगा लेकिन मेरे समझाने पर वह समझ गई और फिर मान गई.

फिर वह बाथरूम जाने के लिए उठने लगी तो मैंने देखा कि उससे सही ढंग चला भी नहीं जा रहा है. मैं खुद ही उठा और उसको बाथरूम तक लेकर गया.
दस मिनट के बाद वह बाहर आयी तो फिर मैं बाथरूम के अंदर चला गया. जब मैं बाहर आया तो सुषी ने अपने कपड़े पहन लिये थे और वह मुझसे जाने के लिए कहने लगी. फिर मैंने उसको घर पर वापस छोड़ दिया.

तो दोस्तो, यह थी मेरी पहली सेक्स कहानी, आपको कैसी लगी, आप मुझे मेल करके जरूर बताना और यह भी बताना कि मुझे और आगे की स्टोरी लिखनी चाहिए या नहीं. मुझे आप सब की प्रतिक्रिया का इंतजार रहेगा. धन्यवाद।
aavi52028@gmail.com

Other stories you may be interested in

मौसी की लड़की की पहली चुदाई

हैलो दोस्तो, नमस्कार… मैं आपका दोस्त राहुल शर्मा आपके सामने अपनी एक और आपबीती रख रहा हूँ. मैं हरियाणा का रहने वाला हूँ. मुझे बहुत सारे दोस्तों के मेल मिले. आप सबके मेल का जवाब मैंने दिया है. आपके प्यार […]
Full Story >>>

गीली चूत

मैंने आज तक कभी इतनी गीली चूत नहीं देखी जो मैंने पिछले साल अहमदाबाद में देखी. वो जब जब चुदती थी अपनी चूत कपड़े से पौंछती रहती थी. पिछले साल मुझे ऑफिस की तरफ से ट्रेनिंग पे अहमदाबाद भेजा गया […]
Full Story >>>

मदमस्त काली लड़की का भोग-4

अब तक की कहानी में आपने पढ़ा कि सलोनी की चूत से पहली छूट निकलने के बाद उसने अपने जिस्म को चादर में लपेट लिया. लड़की होने का अधूरा अहसास उसको हो चुका था और अब बारी थी उसको लड़की […]
Full Story >>>

मामा ने बनाया मेरी बुर का भोसड़ा

दोस्तो नमस्कार ! मैं राज शर्मा चंडीगढ़ से एक बार फिर आप सभी के सामने अपनी एक नई कहानी को लेकर हाजिर हूं। आप सभी ने मेरी अपनी पिछली कहानियां पढ़ कर मुझे बहुत मेल व सुझाव दिए उसके लिए आप […]
Full Story >>>

मदमस्त काली लड़की का भोग-3

अब तक की कहानी में आपने पढ़ा कि मैंने सलोनी का विश्वास जीत कर उसके जिस्म के साथ खेलना शुरू कर दिया. जैसे-जैसे उसके जिस्म से कपड़ों की परत उतर रही थी मेरे लंड का तनाव हर पल और ज्यादा […]
Full Story >>>